लगाव: बाबा का दरबार गुरू मुरारी का चैला

लगाव: बाबा का दरबार,
गुरू मुरारी का चैला,
शनि मंगल ने चौकी लाव:,
दुर दुर तं दुखिया आवं,
हो ना होवण दे लाचार,
गुरू मुरारी का चैला।bd।

सुरजमल भक्त स निराला,
सब भक्तां का देखया भालया,
पुज: जिनते पवन कुमार,
गुरू मुरारी का चैला।bd।

जिसकी सुरती बजरंगी में,
रहता ना वो कदे तंगी में,
पा गया हनुमान का प्यार,
गुरू मुरारी का चैला।bd।

कप्तान शर्मा देखया नजारा,
बह कंजावला अम्रत धारा,
गाव: कौशिक जी तो मल्हार,
गुरू मुरारी का चैला।bd।

लगाव: बाबा का दरबार,
गुरू मुरारी का चैला,
शनि मंगल ने चौकी लाव:,
दुर दुर तं दुखिया आवं,
हो ना होवण दे लाचार,
गुरू मुरारी का चैला।bd।

भजन प्रेषक – राकेश कुमार जी,
खरक जाटान(रोहतक)
(9992976579)
वीडियो उपलब्ध नहीं।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com